

# टीम के मनोबल के लिए अच्छे नहीं धमकाने वाले बॉस

अमेरिका के मिनेसोटा राज्य की सेनेटर एमी क्लोबुचर राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी के लिए अभियान चला रही हैं। लेकिन उन्हें सबसे ज्यादा समस्या उन्हीं के स्टाफ के पूर्व सदस्यों की वजह से हो रही है। इन लोगों के हवाले से ऐसी बातें सुनने में आई हैं जिनके मुताबिक, एमी बहुत गुस्सैल और सख्त किस्म की बॉस हैं और अक्सर अपने कर्मचारियों को अपमानित करती रहती हैं। एमी उन सेनेटर में से एक हैं जिनके कर्मचारी सबसे ज्यादा नौकरी छोड़ जाते हैं।

समाज में एक आम सोच है कि कड़क बॉस विनम्र बॉस की तुलना में ज्यादा जल्दी अपने लक्ष्य पा लेते हैं। इस सोच को इंडियाना यूनिवर्सिटी के बास्केट बॉल कोच बॉबी नाइट और ऐपल के को-फाउंडर स्टीव जॉब्स जैसे कामयाब सीईओ की कहानियों ने और मजबूत किया है। सब जानते हैं कि ये लोग अपनी सख्ती और बदमिजाजी के लिए कुख्यात थे साथ ही जबर्दस्त कामयाब भी।

कामयाबी की वजह सख्ती नहीं असाधारण क्षमता

लेकिन संगठनों, उत्पादकता और



एजेसी (वेब वार्ता न्यूज)

लीडरशिप स्टाइल को स्टडी करने वाले शोधकर्ता उनकी कामयाबी का श्रेय उनकी सख्ती को नहीं उनकी असाधारण क्षमता को देते हैं।

इन शोधकर्ताओं को अभी तक ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है जो इस बात का

समर्थन करे कि सख्त बॉस होने की वजह से ज्यादा बेहतर नतीजे मिलते हैं।

रटगर्स विश्वविद्यालय में प्रोफेसर रेबेका ग्रीनबाउम कहती हैं, हमें अच्छा लगेगा यह जानकर कि अपमानजनक लीडरशिप का कोई सकारात्मक पक्ष भी है। अभी तक

इस पर बहुत शोध हुआ है लेकिन हमें ऐसा कुछ नहीं मिला। ग्रीनबाउम के मुताबिक, ऐसी लीडरशिप में उत्पादकता कुछ समय के लिए तो बढ़ सकती है लेकिन समय के साथ-साथ स्टाफ की परफॉर्मेंस गिरती जाएगी और लोग टीम छोड़ने लगेंगे।

क्यों पहुंचते हैं टॉप पर गुस्सैल मैनेजर सवाल उठता है कि जब इस तरह की लीडरशिप के इतने कम फायदे हैं तो फिर संगठनों में ऐसा क्यों देखने में आता है कि गुस्सैल और बदमिजाज मैनेजर ऊंचे उठते जाते हैं।

इसके जवाब में सामाजिक मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि प्रयोगों में देखा गया है कि जो लीडर दुविधा की घड़ी में तेजी से फैसले लेते हैं उन्हें लोग अच्छा लीडर मान लेते हैं। भले ही उनके फैसले सोचसमझ कर लिए गए फैसलों के मुकाबले कम सही हों। इसके उलट उन्हें अच्छा डिज़ीजन मेकर समझा जाता है। अगर कभी वे गलत भी साबित हुए तो लोग उन्हें कुछ समय संदेह का लाभ भी देते हैं।

इसका असर यह होता है कि जैसे-जैसे ये लोग संस्थान में ऊंचे उठते जाते हैं उन्हें लगता है कि उनमें जन्मजात नेतृत्व के गुण हैं। यह भाव आते ही उनका अपने नीचे काम करने वालों के प्रति नजरिया बदल जाता है। रेबेका कहती हैं कि हालांकि ऐसा वे सोचसमझ कर नहीं करते पर जब वे खुद पर नियंत्रण खो बैठते हैं तो ऐसा ही होता है।

## बच्चों को ब्रेड-जैम खिलाना बंद करें, ये होते हैं नुकसान

जब बात बच्चों को खाना खिलाने की आती है तो पैरेंट्स अक्सर परेशान हो जाते हैं कि आखिर बच्चों को क्या खिलाना क्योंकि ज्यादातर बच्चे खाने का नाम सुनते ही नाक-मुंह बनाने लगते हैं। लेकिन शायद एक चीज ऐसी ही जिसे अधिकतर बच्चे बिना किसी परेशानी के शौक से खा लेते हैं और वह है जैम।

क्या जैम सच में हेल्दी होता है?

ब्रेड जैम- जैम-रोटी, जैम-बिस्किट ये कुछ ऐसे ऑप्शन्स हैं जिन्हें ब्रेकफास्ट, लंच या डिनर में बच्चे बड़ी आसानी से खा लेते हैं। और यह माता-पिता के लिए भी आसान ऑप्शन होता है क्योंकि उन्हें ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ती। लेकिन क्या जैम सचमुच हेल्दी होता है? टीवी में दिखाए जाने वाले विज्ञापनों में बताते हैं कि जैम में

फ्रूट्स होते हैं, न्यूट्रिएंट्स होते हैं और यह बच्चों के लिए हेल्दी होता है, लेकिन क्या सच में ऐसा है? जी नहीं।

2 चम्मच चीनी के बराबर 1 चम्मच जैम

1 चम्मच जैम 2 चम्मच चीनी के बराबर होता है। जैम में जो फल डालने का दावा किया जाता है उसे उबाल कर उतनी ही मात्रा में चीनी के साथ मिक्स किया जाता है। फलों को उबालने से उनमें मौजूद पानी की मात्रा घट जाती है और फलों में मौजूद पोषक तत्व भी नष्ट हो जाते हैं। कुछ फलों में मौजूद विटामिन सी तो जैम बनाने की प्रक्रिया के दौरान पूरी तरह से खत्म हो जाता है।

मोटोपे का खतरा

वैसे बच्चे जिन्हें जैम खाने की आदत

हो जाती है और जो नियमित रूप से जैम का सेवन करते हैं उनमें मोटापे के साथ-साथ दिल से जुड़ी बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है।

ऐसा इसलिए होता है क्योंकि ज्यादा जैम खाने से आप जरूरत से ज्यादा कैलरी शरीर के अंदर ले लेते हैं।

हेल्दी खाना नहीं चाहते बच्चे

सिर्फ जैम ही नहीं बल्कि केचप और कई दूसरे प्रिजर्व्ड फूड में चीनी की मात्रा बहुत अधिक होती है और इसलिए यह बच्चों को बहुत पसंद आता है। इस तरह के फूड आइटम्स ब्रेन को झूठा संकेत देते हैं कि उनका पेट भरा हुआ है और इस वजह से आपका बच्चा खाने में मीन-मेख निकालने लग जाता है और मन से खाना नहीं खाता।



## प्रियंका और करीना के साथ बिताया वक्त मेरे लिए काफी खास है: शाहिद

हाल ही में सेलिब्रिटी चैट शो कॉफी विद करन में अभिनेता शाहिद कपूर और उनके भाई ईशान खट्टर एक साथ नज़र आए, जहां करन ने शाहिद से उनकी पर्सनल जिंदगी से जुड़े सवाल किए वहीं ईशान खट्टर ने भी काफी इंटरस्टिंग बातें शेयर कीं। कॉफी विद करन के शो में पहुंची भाईयों की जोड़ी शाहिद और ईशान खट्टर से शो के होस्ट करन जौहर ने कई सवाल किए, जिसमें उन्होंने शाहिद से पूछा कि अगर शाहिद को बीती जिंदगी में अपनी किसी एक्स को भूलना हो तो वो किसको भुलाएंगे?

इस पर शाहिद ने करीना का नाम लेते हुए कहा कि वो उनके साथ लम्बे वक्त तक रहे हैं साथ ही प्रियंका का नाम लेते ही शाहिद कहते हैं कि मैं उनके साथ काफी कम वक्त रहा लेकिन ये जरूर है कि दोनों के साथ बिताया वक्त मेरे लिए काफी खास है।

उन्होंने कहा कि मैं आज जहां हूँ अपने बीते अनुभवों की वजह से हूँ, तो ऐसे में मैं किसी भी याद को मिटाना नहीं चाहूंगा। वहीं इसके बाद जब करन ने ईशान से सवाल किया कि अगर वो अपने भाई शाहिद की एक्स गर्लफ्रेंड के साथ लिफ्ट में फंस गए तो वो क्या करेंगे? इसपर शाहिद तुरंत कहते हैं कि लिफ्ट पूरी भर जाएगी, जिस पर ईशान कहते हैं कि हां मेरा दम घुट जाएगा और मैं तुरंत इमरजेंसी बटन दबा दूंगा।

वहीं शो के दौरान ईशान ने श्रीदेवी की बेटी जान्हवी कपूर के साथ अपने रिलेशनशिप की बात को नकार दिया, ऐसे में जब करन ने ईशान से पूछा कि उनके फोन में जान्हवी का नम्बर किस नाम से सेव है तो ईशान बताते हैं कि आर दोज पोटेटोज, जिसके बाद करन जौहर ईशान से ऐसे अटपटे सवाल पूछ लेते हैं कि ईशान अपनी बातों में फंस जाते हैं।

